ISSN No. : 2231-0045 BI-LINGUAL QUARTERLY Vol.II * Issue II * November- 2013

Periodic Research

Multi-disciplinary International Research Journal

ISSN No. 2231-0045

VOL.II* ISSUE-II*NOVEMBER-2013

Periodic Research

अनुक्रमणिका

क्रम सं०	विवरण	पृ०सं०
1.	**Internal Evaluation of National Leprosy Elimination Programme District – Dahod in Gujarat** Minal S. Gadhvi,(Ahmedabad)	1 - 4
2.	**Pharmacopoeial Standards of Ayurvedic Formulations with special reference to Vasa Ghrita** Sushanta K Mohapatra, (Khurja)	5 - 9
3.	**Evaluation of Battery Operated Cotton Picker** V. P. Khambalkar, S. H. Thakare, U. S. Kankal and D. S. Karale (Akola, MS)	10 - 13
4.	**Design Placement of Traditional Canvas Embroidery Articles** Vivek Singh, Suman Pant and Parveen Punia (Rajasthan.)	14 - 16
5.	**On the Stability of Impulsive Differential Equations with Variable Moments** Sanjay K. Srivastava, Neha Wadhwa and Neeti Bhandari (Amritsar)	17 - 19
6.	**Evaluation of Antimicrobial effect of Allium cepa and Zingiber officinale on Streptococcus mutans isolated from Dental Caries of humans** Samta Shukla, Arvind K. Tripathi and U.K. Chauhan, Rewa (M.P.)	20 - 26
7.	**Thermal cracking of waste engine oil (lubricant) at 430oC temperature** A.L. Rathod, (Maharshtra)	27 - 30
8.	**Variation in ITEC during geomagnetic storms at low latitudes** Chandrakanta Ahirwar and S.K.Vijay, (Bhopal)	31 - 35
9.	**Reliability of two identical units connected Paralelly with available Repairman** Sarita Devi, (Haryana)	36 - 41
10.	**Utilization of Waste Heat Recovery for Cloth Drying from Room Air Conditioning** Gaffar G. Momin. and Shridhar (Pune)	42 - 45
11.	**A Comparative Study on Rare Association Rule Mining** Nazrul Hoque, B. Nath and M. Dutta, Tezpur	46 - 50
12.	**An Economic Analysis on Productivity of B.C.C.L.** Roopam Kumari and Pramila Choudhary (Jharkhand.)	51 - 56
13.	**Rural Postal Life Insurance Business in India** Ritu jain (Gorakhpur)	57 - 62
14.	**A Study on Impact of Stress on HDFC Bank Employees** Rajesh Kumar (Chandigarh)	63 - 67
15.	**Performance of Regional Rural Bank in District, Fatehabad** Lavneet (Fatehabad)	68 - 70
16.	**An Investigation into the Relationship between Spiritual Personality and Islamic Religiosity among Adolescents** Shahana Anjum and Asiya Aijaz (Aligarh)	71 - 74
17.	**Effect of Climatological Variables on the Frequency of Incident Stroke Hospitalization During Summer** Arsalan Moinuddin and Nafis Ahmad Faruqi (Aligarh, U.P.)	75 - 77
18.	**Social Exclusion and Inclusion of Women in India (A brief analysis)** Chitra Prabhat (Madhya Pradesh)	78 - 79
19.	**Tribal women economically empowered but drudged – a study of Uttrakhand** Yamini Pandey (Saharanpur)	80 - 83
20.	**Trainee Teachers Attitude Towards Teaching Aptitude** Sarla Rani Toshi (Khanpur Kalan)	84 - 86
21.	**Urban Concepts and their Impact on Census of Urban Places in India: A Temporal and Spatial Analysis** Mohd.Ekhalaq Khan and Mujahid ul Islam (Aligarh)	87 - 92
22.	**Distribution and Conservation of Biodiversity in Aravalli Region of Rajasthan, India** Shyam S. Khinchi, Sunita Pachori and Monika Kannan (Ajmer)	93 - 99
23.	**Time and Space in The Shadow Lines** Prashant Mahajan (Jabalpur)	100 - 103
24.	**Invisible Work Force: A Qualitative Study of Women Employed in Unorganized Sector** Nisha Gupta (Lucknow)	104 - 106

ISSN No. 2231-0045 VOL.II* ISSUE-II*NOVEMBER-2013
Periodic Research

25.	**वेस्टर्न कोल्ड फील्ड्स लिमिटेड में मानव संसाधन विकास (ऊर्जा एवं ईंधन के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में अग्रसर) की वर्ड–वेस्टर्न कोल्ड फील्ड्स लिमिटेड ,मिनी रत्न,मानव संसाधन विकास,उर्जा,ईधन** दिनेश कुमार चौधरी (छिंदवाड़ा (म.प्र.))	107 - 111
26.	**जबलपुर शहर में कार्यरतकामकाजी महिलाओं की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन (निजी महाविद्यालय के विशेष संदर्भ में)** सरिता गोयल (जबलपुर)	112 - 114
27.	**भारत में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता एवं प्रतिनिधित्व की प्रमुख समस्या** के.एच. वासनिक (अमरावती, महाराष्ट्र)	115 - 121
28.	**ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत गोरखपुर डिवीजन में लगान व्यवस्था (1800–1947ई0) एक अध्ययन** हेमन्त कुमार मिश्र (देवरिया (उ0प्र0))	122 - 128
29.	**बौद्ध धर्म के प्रचार–प्रसार में सम्राट अशोक का योगदान** ममता गंगवार (कानपुर)	129 - 131
30.	**सतना नगर में भूमि उपयोग** विजय लक्ष्मी मिश्र और जी.पी. मिश्र रीवा (म.प्र.)	132 - 136
31.	**कृषि विपणन एवं विकास** सुनीता पॉटर (गोरखपुर)	137 - 140
32.	**संत रविदास नगर–भदोही में कालीन बुनकरों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन** प्रिया तिवारी और अविनाश त्रिपाठी (इलाहाबाद)	141 - 144
33.	**आत्म हत्या की बढ़ती प्रवृत्ति : एक मनोसामाजिक चुनौती** प्रतिभा श्रीवास्तव और आभा सक्सेना (कानपुर)	145 - 148
34.	**अंग्रेजी माध्यम एवं हिन्दी माध्यम विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के जीवन मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन** गुरूविन्दर कौर (लुधियाना)	149 - 151
35.	**वाक्यार्थ एवं ध्वनि सिद्धांत** गिरीश चन्द्र पन्त (दिल्ली)	152 - 155
36.	**अहिंसा और शान्ति की स्थापना में वैदिक शिक्षा की भूमिका** सत्यवती, तारानगर (चूरू)	156 - 160
37.	**अभिनवभारती में लक्षणों का विवेचन** जयप्रकाशनारायण (नई दिल्ली)	161 - 164
38.	**पद्य–पुराण में छन्दों के प्रयोग की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि** अभय कुमार शाण्डिल्य (दिल्ली)	165 - 169
39.	**चमत्कार : काव्य का अपरिहार्य तत्त्व** रुबी (दिल्ली)	170 - 174
40.	**आँचलिकता के संदर्भ में धरती धन न अपना का अन्य उपन्यासों से तुलनात्मक अध्ययन** गौरी अग्रवाल, रायपुर (छ0ग0)	175 - 178
41.	**मन्नू भंडारी की कहानियां : स्त्री विमर्श के विविध आयाम** अलका श्रीवास्तव, रायपुर (छ.ग.)	179 - 184

ISSN No. 2231-0045 VOL.II* ISSUE-II*NOVEMBER-2013
Periodic Research

जबलपुर शहर में कार्यरतकामकाजी महिलाओं की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन (निजी महाविद्यालय के विशेष संदर्भ में)

सरिता गोयल
शोधार्थी
सहायक प्राध्यापिका
वाणिज्य विभाग
श्री गुरूनानक महिला महाविद्यालय
जबलपुर

सारांश

प्रस्तुत शोध में जबलपुर शहर के निजी महाविद्यालयों में कार्यरत कामकाजी महिलाओं की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन किया गया है। इसके लिए जबलपुर शहर के निजी महाविद्यालयों में से अध्ययन के लिए 10 निजी महाविद्यालयों का दैव निर्देशन विधि के द्वारा चयन किया गया है। इन महाविद्यालयों में कुल 303 महिलायें व 199 पुरूष कार्यरत् है। इन 303 महिलाओं में से 80 महिलाओं को दैव निर्देशन विधि द्वारा चयनित किया गया। प्रश्नावली व साक्षात्कार के द्वारा सूचनायें एकत्रित कर उनका मूल्यांकन किया गया है।

मुख्य शब्द : कामकाजी महिलाये, निजी महाविद्यालय, आर्थिक स्थिति

प्रस्तावना

सभ्यता और संस्कृति के विकास की कहानी मानव के परिश्रम और साहस की कहानी है। मानवीय क्षमताओं के सही आंकलन व उन्नयन में ही किसी राष्ट्र का आर्थिक, सामाजिक व औद्योगिक विकास निहित होता है। समग्र मानव समाज मे आधी आबादी महिलाओं की है और देश में कामकाजी महिलाओं का इतिहास प्राचीन नहीं है। इसे माना जाय कि स्वतंत्रता के पष्चात् संविधान में स्वतंत्रता और समानता के सिद्धान्त से प्रभावित होकर महिलाओं में आत्मनिर्भरता के लिए जो नई सोच, नई चेतना प्रस्फुटित हुई, यह उसी का परिणाम है कि आज भारतीय महिला राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च पद पर आसीन रह चुकी है। अंतरिक्ष में सफलता के परचम लहराने से लेकर खेल कूद, न्याय, प्रशासकीय, राजनीतिक, सामाजिक, औद्योगिक उच्च शिक्षा, मनोरंजन, विज्ञापन, संचार मीडिया, समाजसेवा, पुलिस, सेना जैसे जटिल क्षेत्रों में महिला आधुनिक समाज का प्रतिनिधित्व कर रही है। आज इसी वर्ग को कामकाजी महिलाओं की संज्ञा दी जाती है।

अध्ययन की आवश्यकता

अनुसंधान के विभिन्न चरणों में अध्ययन विषय का चुनाव प्रथम कदम है जिसमे परिकल्पनाओं का निर्धारण किये बिना कोई भी शोध सफल नहीं हो सकता है। मुझे इस शोध विषय की जिज्ञासा हमारे समाज के वातावरण से मिली क्योंकि आज के आधुनिक युग में महिलाओं को समानता का अधिकार प्राप्त होने से वह हर क्षेत्र में संलग्न हो गई है और जिसका कारण विभिन्नता लिये हुये है, इसे आप आवष्यकता समझे, मजबूरी, शौक या मंहगाई से जूझता परिवार आदि। स्त्री शिक्षा की जागरूकता ने कर्मक्षेत्र में लोगों को उत्साहित व उच्च जीवन स्तर की इच्छा को प्रबल किया तथा बढ़ती हुई मंहगाई या अन्य कारणों से महिलायें रोजगार के लिए हर क्षेत्र में विद्यमान है लेकिन यह रोजगार उनके परिवार का भरण पोषण करने के लिए पर्याप्त नहीं है। जितना वेतन उनको उनकी योग्याता अनुसार प्राप्त होना चाहिये वह उन्हें प्राप्त नहीं हो रहा है, इसलिए इस समस्या को शोध के लिए चुना गया है।

शोध कार्य के उद्धेश्य

- निजी महाविद्यालय में कार्यरत्कामकाजी महिलाओंकी आर्थिक स्थिति का अध्यन करना।
- कामकाजी महिलाओं की समस्या से अवगत होना।
- कामकाजी महिलाओं को उनकी योग्यता के आधार पर वेतन मिलता है या नहीं उसका अध्ययन करना।

उपकल्पनायें

- निजी महाविद्यालय में कार्यरत् कामकाजी महिलाओं की आर्थिक स्थिति समान नही है।

- कामकाजी महिलाओं की स्वंय की आय पर अधिकार प्राप्त है।
- एक ही प्रकार के कार्य का वेतन महिला एवं पुरूष में समान है।
- महिलाएं अपनी कार्यदशाओं से संतुष्ट है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्य जबलपुर शहर में कार्यरत् कामकाजी महिलाओं की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन (निजी महाविद्यालय के विशेष संदर्भ में) के उद्देश्य से लिया गया है। शोध के अध्ययन के लिए 10 निजी महाविद्यालयों को दैव निर्देशन विधि द्वारा चयन किया गया तथा इन महाविद्यालयों में कुल 303 महिलायें व 199 पुरूष कार्यरत् है। इन 303 महिलाओं में से 80 महिलाओं को दैव निर्देशन विधि द्वारा चयनित किया गया। प्रश्नावली व साक्षात्कार के द्वारा सूचनायें एकत्रित कर उनका मूल्यांकन किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण

तालिका क्रमांक – 01

श्रेणिया / ग्रेड के आधार पर वर्गीकरण

ग्रेड	संख्या	प्रतिशत
A	8	10
B	54	68
C	8	10
D	10	12
कुल	80	100

स्त्रोत –सर्वेक्षण के आाार पर

निजी महाविद्यालयों में महिलायें विभिन्न पदों पर कार्यरत है। इस तालिका क्रमांक 01 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि 10 प्रतिशत महिलायें प्राचार्या व प्रोफेसर (।ग्रेड) के पद पर कार्यरत है जबकि 68 प्रतिशत महिलायें सहायक प्राध्यापक / लेक्चरार, लाइब्रेरियन पद (ठ ग्रेड) पर कार्यरत है जिनका प्रतिशत सर्वाधिक है। 10 प्रतिशत व 12 प्रतिशत महिलायें क्रमशः लिपकीय / लेब अटेडडेट तथा चपरासी व सफाई कर्मचारी पद पर कार्यरत् है जिनकी संख्या कम है।

अतः निजी महाविद्यालयों में सबसे अधिक (ठ ग्रेड) की महिलायें कार्यरत है।

तालिका क्रमांक – 02

मासिक आय

आय (रूपये में)	सख्या	प्रतिशत
4000 से कम	22	28
4001 – 8000	31	39
8001 – 12000	12	15
12001 – 16000	7	8
16001 – 20000	4	5
20001 – 24000	1	1
24001 से अधिक	3	4
कुल	80	100

स्त्रोत –सर्वेक्षण के आधार पर

इस तालिका क्रमांक 02 के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि निजी महाविद्यालय में कार्यरत 39 प्रतिशत महिलाओं को न्यूनतम 4000/– तथा अधिकतम 8000/– रूपये मासिक आय प्राप्त होती है तथा 28 प्रतिशत महिलाओं को 4000 रूपये से कम मासिक आय प्राप्त होती है जबकि मध्यम व उच्च श्रेणी के अन्तर्गत 18 प्रतिशत महिलाये कार्यरत है जो कि न्यूनतम 16000/– प्रति माह महिला तथा अधिकतम 24001 से अधिक प्रतिमाह प्रति महिला प्राप्त करती है जिनका प्रतिशत बहुत कम है।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि निजी महाविद्यालय में कार्यरत महिलाओं को न्यूनतम 4000/– रूपये व अधिकतम 8000/– रूपये प्रति महिला मासिक आय प्राप्त करने वाली महिलाओं का प्रतिशत सर्वाधिक है।

तालिका क्रमांक – 03

अनुभव के आधार पर

अनुभव	संख्या	प्रतिशत
6 वर्ष से कम	32	40
6 – 12 वर्ष	30	38
12 – 18 वर्ष	4	5
18 – 24 वर्ष	6	7
24 – 30 वर्ष	4	5
30 – 36 वर्ष	4	5
कुल	80	100

स्त्रोत –सर्वेक्षण के आधार पर

इस तालिका क्रमांक 04 के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि 40 प्रतिशत महिलाओं को 6 वर्ष से कम का अनुभव है तथा 38 प्रतिशत महिलाओं को 12 वर्ष तक का अनुभव है। 22 प्रतिशत महिलायें है जिन्हें न्यूनतम 12 वर्ष से अधिक तथा अधिकतम 36 वर्ष से निजी महाविद्यालय में कार्यरत है।

अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि निजी महाविद्यालय में कार्यरत महिलाओं को अधिकतर 12 वर्ष का कार्य अनुभव है।

निष्कर्ष

कामकाजी महिलाओं की स्थिति सुदृढ होते हुए भी कमजोर है महिलाओं के विकास के लिये उनका सामाजिक एवं आर्थिक विकास करना अत्यंत आवष्यक है। भारतीय नारी घरेलू दायरे से बाहर निकालकर दुनिया के बीच में जाकर अपनी समझ को बड़ा कर रही है। महिलाएँ आत्मनिर्भर होकर दूसरी महिलाओं को भी रोजगार प्रदान कर रही है। 2001 में कामकाजी महिलाओं का प्रतिशत 25.26 था जो 2012 में बढ़कर 28.12 हो गया है। किसी भी राष्ट्र की खुशहाली के लिये वहाँ की महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। महिलाओं की स्थिति मजबूत होते हुए भी वह विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना कर रही है। चयनित निजी महाविद्यालयों में कार्यरत महिलाओं की मासिक आय की दशा का अध्ययन किया जाये तो औसतन प्रतिमाह प्रति महिला 7888 रू. प्राप्त करती है जिसमे 82 प्रतिशत महिलायें निम्न मध्यम श्रेणी में कार्यरत है 4000 रू. प्रतिमाह न्यूनतम और 16000 रू. प्रतिमाह अधिकतम वेतन की प्राप्ति होती है जबकि मध्यम व उच्च श्रेणी के अन्तर्गत 18 प्रतिशत महिलाये कार्यरत् है जो कि न्यूनतम 16000 रू. प्रतिमाह प्रति महिला प्राप्त करती है जो कि करदाता श्रेणी में भी शामिल की जाती है।82 प्रतिशत महिलायें

निम्न वर्ग व मध्यम वर्ग की श्रेणी में आती है। इस प्रकार यह एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसमे महिलाओं की आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं है।

निजी महाविद्यालयों में कार्यरत महिलाओं को भी घर व कार्यालय दोनों भूमिकाओं को निभाने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। निजी महाविद्यालय में कार्यरत महिलाओं की समस्या के समाधान में लिये निम्न सुझाव दिये जा रहे है–

- यदि महिलायें कार्यो की रूपरेखा तैयार करे तो निष्चित ही वह अपने कार्यो को समय पर कर सकेगी।
- कार्यरत महिलाओं को स्वयं के वेतन पर अधिकार रखना चाहिये तथा इतना सशक्त होना चाहिये कि आप अपने निर्णय स्वयं ले सके।
- कार्यरत महिलाओं को महिला संरक्षण कानून की जानकारी होना बहुत जरूरी है जब तक आप स्वयं जागरूक नहीं होगे तब तक समस्याओं से घिरा हुआ पायेगी। इसलिए जरूरी है कि अपने आस–पास के वातावरण को समझे और सूझ–बूझ से काम लें।
- कार्यरत महिलाओं को शारीरिक व मानसिक थकावट को दूर करने के लिये योगा, ध्यान आदि करना चाहिये तथा स्वयं के स्वास्थ्य के लिये थोड़ा समय जरूर निकालना चाहिये तथा समय–समय पर डॉक्टर से चेकअप करवाते रहना चाहिये।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रकार की कार्यशाला, विचार–संगोष्ठी, सेमीनार तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाना चाहिये और यह आयोजन सभी महाविद्यालयों के लिये अनिवार्य किया जाना चाहिये।
- कार्यरत महिलाओं को यदि मासिक वेतन कम प्राप्त होता है तो उन्हें अपनी योग्यता को और बढ़ाना चाहिये तथा उन्हें जो भी कार्य दिया जाता है उसे लगनशील होकर करना चाहिये अर्थात् अपने कार्य के प्रति ईमानदार होना चाहिये।अतःमहिलायें सशक्त रूप से उच्च श्रेणी पर पहुँच कर कार्य करने में सक्षम होगी।

संदर्भ ग्रंथ सूची

पुस्तकें

1. मुखर्जी डॉ.रवीन्द्र नाथ, सामाजिक शोध व सांख्यिकी अथवा (सामाजिक अनुसंधान की विधियाँ),विवेक प्रकाशन,जवाहर नगर,नई दिल्ली, 2008.
2. कोठारी जी.आर.,रिसर्च मैथोडॉलोजी–मैथड एण्ड टैक्नीकस,विष्वा प्रकाशन,नईदिल्ली, 2003.
3. शर्मा प्रेम नारायण, एवं अन्य, महिला सशक्तिकरण एवं समग्र विकास, भारत बुक सेंटर, लखनऊ 2008.
4. नाटाणी पी. एन., भारत में सामाजिक समस्याएँ, पोइन्टर पब्लिशर्स, जयपुर, 2000.
5. बोंहरा आशा, भारतीय नारी–दशा दिशा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली।
6. शर्मा प्रज्ञा, महिला विकास और सशक्तिकरण, पोइन्टर पब्लिशर्स, जयपुर, 2001.
7. शर्मा प्रज्ञा, भारतीय समाजः चिन्तन और पतन, पोइन्टर पब्लिशर्स, जयपुर, 2001.
8. शर्मा राजनाथ, भारतीय समाज, संस्थाएं और संस्कृति अटलांटिक पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली 2000.
9. शर्मा राजेन्द्र कुमार, ग्रामीण समाजशास्त्र, अटलांटिक पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली 2000.
10. कपिल डॉ. एच. के., सांख्यिकी के मूल तत्व, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,1992.
11. अंसारी एम.एम., राष्ट्रीय महिला आयोग और नारी, ज्योति प्रकाशन, जयपुर, 2000.

मैंगजीन

- कुरूक्षेत्र–मासिक, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- योजना–मासिक, नई दिल्ली।

वेबसाइट

- www.google.com
- www.jabalpur.nic.in
- www.rdvv.com